बृहस्पतिवार
13 जून 2024

पृष्ठ 4
150 तरीके के होते हैं सिर दर्द, सबसे...

पृष्ठ 5
मौनी रॉय ने ब्लू बिकनी में समंदर...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 131
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुखी होता है।

— अज्ञात

दूनवैलीमेल
सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

उद्यान घोटाले के आरोपियों की धरपकड़ शुरू

❑सीबीआई ने तीन लोग गिरफ्तार किये, पूछताछ जारी

विशेष संवाददाता

देहरादून। फलदार वृक्षों की पौध खरीद में हुए करोड़ों के घोटाले की जांच का काम सीबीआई ने पूरा कर लिया है तथा अब आरोपियों की धरपकड़ का काम शुरू हो गया है। इस मामले में उत्तराखण्ड के 12 लोग आरोपी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आज सीबीआई ने दून और ऋषिकेश से तीन लोगों की गिरफ्तारी की है। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में अल्मोड़ा निवासी दीपक कुकरेती, गोपाल उप्रेती व अन्य ने याचिका दायर कर करोड़ो रूपये के घोटाले के आरोप लगाते हुए इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की गयी थी। हाईकोर्ट द्वारा इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने के बाद तत्कालीन उद्यान निदेशक हरिविंदर सिंह बवेजा को सरकार ने संस्पेड कर दिया था। इस बड़े घोटाले के तार जम्मू कश्मीर और हिमाचल सहित कई राज्यों से जुड़े हुए है।

●सीबीआई की जांच पूरी, कार्यवाही शुरु
●दून और ऋषिकेश से तीन की गिरफ्तारी
●कई सफेदपोश भी आ सकते है लपेटे में

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस घोटाले में कुछ सत्तापक्ष के नेताओं की संलिप्तता भी सामने आयी थी तथा सरकार पर उन्हे बचाने के प्रयास करने के आरोप भी लगे थे। उद्यान विभाग द्वारा दूसरे राज्यों हिमाचल, चंडीगढ़ और जम्मू कश्मीर से सेब, कीवी तथा अन्य फलदार वृक्षो के पौधे अत्यन्त ही मंहगे दामों पर खरीदने की बात सामने आयी थी। वहीं सरकार द्वारा फल उत्पादन में वृद्धि के लिए चलायी जाने वाली योजना के तहत यह पौध बागवानी करने वाले किसानों को भारी सब्सिडी के साथ दी जानी थी जिसकी खरीद से लेकर वितरण तक में भारी धांधली की खबरें सामने आयी थी।

राज्य में बवेजा से लेकर इसके लाभार्थियों तथा कुल 12 लोगों को जांच में आरोपी पाया गया है। जबकि अन्य आरोपी दूसरे प्रांतो के है। सीबीआई अब इसकी जांच पूरी कर चुकी है तथा गिरफ्तारियां शुरू हो गयी है। देखना होगा कि अब इस मामले में कितने आरोपी और सफेदपोश सलाखों के पीछे पहुंचते है।

चारधाम यात्रा की ब्रांडिग की जायेगीः धामी

विशेष संवाददाता

देहरादून। चारधाम यात्रा के प्रति श्रद्धालुओं के बढ़ते रूझान को देखते हुए उत्तराखण्ड सरकार अब चारधाम यात्रा की ब्रांडिग पर विचार मंथन कर रही है। चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए नया रोड मैप बनाया जा रहा है। श्रद्धालुओं को बेहतर जन सुविधाएं और सुगम तथा सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए क्या-क्या किया जा सकता है? इस पर विचार किया जा रहा है।

मुख्यमत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि चारधाम यात्रा प्रदेश की आर्थिकी का आधार है। प्रदेश वासियों को चारधाम यात्रा से अच्छी कमाई के अवसर मिलते है। लगातार चारधाम यात्रा का आर्कषण बढ़ रहा है। सरकार की सोच है कि चारधाम यात्रा की ब्रांडिग की जाये। इससे और अधिक आय हो सकती है। उनका कहना है कि यात्रियों के भारी दबाव को कैसे कम किया जा सकता है इसके लिए यात्रा के अन्य वैकल्पिक मार्गो का निमार्ण या फिर केदारधाम के लिए वैकल्पिक सड़कों के चौड़ीकरण तथा यात्रा पड़ावों व प्रवेश स्थलों में बदलाव के जरिए क्या कुछ हो सकता है इसके लिए वह सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से वार्ता करेगें। उन्होने कहा कि कोटद्वार से यात्रा की शुरूआत करने पर विचार किया जा रहा है। हरिद्वार से यात्रा को शुरू करने से ऋषिकेश में जाम की समस्या पैदा होती है तथ राफ्टिंग कारोबार प्रभावित होता है। गंगोत्री, यमुनोत्री व

❑यात्री सुविधाएं बढ़ाने व व्यवस्थाओं में होगा बदलाव
❑ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन पर सीमा प्रतिबन्ध समाप्त

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

कुवैत अग्निकांड में मारे गए भारतीयों के शव जल्द भारत लाए जाएंगे

नई दिल्ली। कुवैत में अग्निकांड पीड़ितों की मदद के लिए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन गुरुवार (13 जून, 2024) को कुवैत पहुंचे हैं। इस हादसे में 40 भारतीय मजदूरों की मौत हो गई है। कीर्ति वर्धन सिंह मजदूरों के शवों की शीघ्र वापसी सुनिश्चित करने के लिए कुवैत गए हैं। दक्षिणी कुवैत में विदेशी कामगारों के आवास वाले अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई थी। दक्षिणी शहर मंगाफ में सात मंजिला एक इमारत में बुध वार को भीषण आग लग गई थी, जिसमें 195 प्रवासी श्रमिक रहते थे। इस घटना में कम से कम 49 विदेशी कामगारों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक पोस्ट में कहा, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह आग हादसे में घायल हुए लोगों की सहायता के प्रयासों और इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारे गए लोगों के पार्थिव शरीरों की शीघ्र वतन वापसी के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय करने के लिए कुवैत पहुंचे हैं।

नीट परीक्षा में 1563 स्टूडेंट्स को मिले ग्रेस मार्क्स रद्द, इनका 23 जून को होगा दोबारा एग्जाम

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट मे केंद्र ने नीट रिजल्ट में ग्रेस मार्क्स को रद्द करने का फैसला लिया है, जिनको ग्रेस मार्क्स दिए गए थे, उनकी नीट परीक्षा दोबारा आयोजित की जाएगी।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 2024 की राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) में ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 उम्मीदवारों के स्कोर-कार्ड रद्द कर दिए जाएंगे और उम्मीदवारों को परीक्षा में फिर से बैठने का मौका मिलेगा। एनटीए ने जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ को बताया कि 1,563 से अधिक उम्मीदवारों के परिणामों की समीक्षा करने के लिए एक समिति

गठित की गई है, जिन्हें नीट- यूजी की परीक्षा में बैठने के दौरान हुए नुकसान की भरपाई के लिए ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। एनटीए ने कहा, समिति ने 1563 नीट- यूजी 2024 उम्मीदवारों जिन्हें ग्रेस मार्क्स दिए गए थे उनके स्कोर-कार्ड को रद्द करने का फैसला किया है। इन छात्रों को फिर से परीक्षा देने का विकल्प दिया जाएगा। परीक्षा 23 जून को आयोजित की जाएगी और परिणाम 30 जून से पहले घोषित किए जाएंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने दोहराया कि वह नीट- यूजी 2024 की काउंसलिंग पर रोक नहीं लगाएगा। उन्होंने कहा, काउंसलिंग जारी रहेगी और हम इसे नहीं रोकेंगे। अगर परीक्षा होती है तो सब कुछ पूरी तरह से होता है इसलिए डरने की कोई बात नहीं है।

याचिकाकर्ता और फिजिक्स वाला के सीईओ अलख पांडे ने कहा, आज एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट के सामने स्वीकार किया कि छात्रों को दिए गए ग्रेस मार्क्स गलत थे और वे इस बात से सहमत हैं कि इससे छात्रों में असंतोष पैदा हुआ और वे इस बात पर सहमत हुए कि वे ग्रेस मार्क्स हटा देंगे।

दून वैली मेल

संपादकीय

किसकी जीत, किसकी हार

लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा और एनडीए के नेता इस बात को लेकर खुश है कि वह लगातार तीसरी बार सत्ता पर काबिज हो गए हैं। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए उनकी यह हार भी किसी जीत से कम इसलिए नहीं है क्योंकि वह देश के संविधान व लोकतंत्र बचाने के जिस मुद्दे को लेकर चुनाव में गए थे उसमें वह पूरी तरह सफल रहे हैं। देश को कांग्रेस मुक्त बनाने और संसद को विपक्ष विहीन बनाने तथा अपने मनमाने तरीके से देश को चलाने के सत्ता पक्ष के मंसूबों पर पानी फेरने में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन सफल रहा है। जो देश और लोकतंत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। 10 साल पहले 2014 में संवैधानिक व्यवस्थाओं को ताक पर रखकर एक षड्यंत्र के तहत नेता विपक्ष के जिस पद की हत्या मोदी सरकार द्वारा कर दी गई थी 2024 के चुनाव में जनादेश ने उसे पुन जीवित कर दिया है। पूर्ववर्ती सरकार के अंतिम संसद सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष के विरोध और हंगामे पर बोलते हुए कहा था कि 2024 के बाद विपक्ष दर्शक दीर्घा में बैठा नजर आएगा। उन्होंने वर्तमान चुनाव प्रचार के दौरान भी कहा था कि इस बार कांग्रेस को युवराज की उम्र के बराबर भी सीटें नहीं मिलेगी और विपक्षी दल की भूमिका के लिए जरूरी सदन की सदस्य संख्या के 10 प्रतिशत जरूरी सीटें न मिल पाने के कारण विपक्ष निष्प्रभावी हो जाएगा। भले ही मोदी लोकतंत्र के लिए एक सशक्त विपक्ष की बात करते हो लेकिन 2014 से लेकर लोकसभा में नेता विपक्ष का न रहना और उनकी सोच यही बताती है कि वह विपक्ष विहीन सरकार चलाने के ही मंसूबों के साथ सत्ता में बने रहना चाहते थे। वरना संविधान में कहां लिखा है कि नेता विपक्ष के लिए सदन की सांसद संख्या के 10 फीसदी सांसद होना जरूरी है। संविधान तो सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता को नेता विपक्ष होने का अधिकार देता है। खैर अब वर्तमान सरकार के सामने न कि सिर्फ मजबूत विपक्ष होगा बल्कि एक नेता विपक्ष भी बैठा होगा जिन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त होगा और सत्ता को उसकी बात सुनना भी बाध्यकारी होगा। बीते 10 सालों में विपक्ष की किसी भी बात को न सुनने के आदी हो चुकी मोदी सरकार अब ऐसा नहीं कर सकेगी। यह देश के संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की दृष्टिकोण से कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक की बड़ी जीत है। बीते 10 सालों में सत्ता के लिए संवैधानिक संस्थाओं में मनमाने तरीके से नियुक्तियां और उनका अपने हित में दुरुपयोग करना भी नई सरकार के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि नेता विपक्ष की भूमिका भी अब उसमें रहेगी। इंडिया गठबंधन द्वारा चुनाव परिणाम के बाद अपनी चिंतन बैठक में जो फैसला लिया गया है कि वह सत्ता में आने के लिए जोड़-तोड़ का रास्ता नहीं अपनाएगी उसे जनता ने विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया है और विपक्ष में ही बैठेगी उसकी सही और दूरदर्शी सच कही जा सकती है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का साफ कहना है कि जो हमारी नीतियों और सोच को ठीक मान कर हमारे साथ आना चाहते हैं उनका स्वागत है। जबकि भाजपा अपने सहयोगियों के साथ सत्ता पर इस सोच के साथ काबिज हुई है कि वह बहुत जल्द अपने सांसदों की संख्या को बहुमत के लिए जरूरी 272 तक पहुंचा देगी जिससे सहयोगी दलों का दबाव खत्म किया जा सकेगा और वह पूर्ववर्ती सरकारों की तरह निष्कंटक फैसला ले सकेंगी। चर्चा है कि इंडिया ब्लॉक के सांसदों को तोड़ने की कोशिशें भी जारी है। अगर कल इंडिया के कुछ सांसद व दल भाजपा का दामन भी थाम ले तो इसमें किसी को कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए क्योंकि मौका परस्त नेताओं ने देश की राजनीति का बंटाधार किया है। सत्ता के साथ खड़े होने वाले नेताओं की न आज कोई कमी है न कल थी इसका कारण भले ही कुछ भी रहा हो। कुछ लोग जो यह मान रहे हैं कि यह मोदी सरकार कुछ दिनों की ही मेहमान है तो उनके बारे में यही कहा जा सकता है कि वह गलतफहमी में है या फिर वह मोदी के बारे में कुछ नहीं जानते हैं।

रक्त का कोई विकल्प नहीं: राणा

संवाददाता

देहरादून। श्रीमहाकाल सेवा समिति के अध्यक्ष रोशन राणा ने बताया कि रक्त का कोई विकल्प नहीं होता। आज यहां श्री महाकाल सेवा समिति के अध्यक्ष रोशन राणा ने बताया कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है क्योंकि इसे बनाया नहीं जा सकता जब तक कोई व्यक्ति रक्तदान नहीं करता तब तक रक्त के अभाव वाले किसी दूसरे व्यक्ति का जीवन नहीं बचाया जा सकता है, इसीलिए रक्तदान करें और किसी के जीवित रहने का कारण आप बने, इन्हीं विचारों के साथ श्री महाकाल सेवा समिति पिछले कई वर्षों से प्रत्येक तीन माह में रक्तदान शिविर का आयोजन करते आ रहे है। राणा ने बताया कि वह खुद 59 बार रक्तदान कर चुके हैं और उनकी समिति अब तक 20 स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन कर चुकी है जिससे लगभग 6 हजार व्यक्तियों को लाभ मिला है। 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस मनाने का अभिप्राय सभी स्वैच्छिक रक्तदान दाताओं को सम्मान और धन्यवाद देने और ज्यादा से ज्यादा रक्तदान करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए किया जाता है। समिति के अध्यक्ष रोशन राणा ने जनता से अपील करते हुए कहा कि युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में आगे आना चाहिए जिससे उनकी निशुल्क रक्त की जांच हो जाती है रक्त का शुद्धिकरण होता है रक्त कोशिकाएं स्वस्थ होती हैं आपका रक्तचाप संतुलित रखता है।

त्रिवेणी घाट पर तीन दिवसीय अपने-अपने राम कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता

ऋषिकेश। श्री गंगा सभा द्वारा आयोजित त्रिवेणी घाट पर तीन दिवसीय अपने-अपने राम कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रसिद्ध कवि कथा वाचक कुमार विश्वास ने श्रद्धालुओं को भगवान श्री राम के जीवन आधार से अवगत कराया।

त्रिवेणी घाट पर पहले दिन कुमार विश्वास ने अपने-अपने राम की उत्प्रेरक भावना और उद्देश्य से संगीतमई कथा में भगवान श्री राम के आदर्श और गंगा के महात्मा का व्याख्यान किया। उन्होंने कहा कि धर्मशास्त्र कहता है कि पितृ परंपरा को संजोग कर रखना ही वास्तविक धर्मार्थ है उन्होंने कहा कि कृपया वितरित करने वाली माता सौ पुत्रों की तारती है तो आज जगत का कल्याण कर रही है यह सौभाग्य की उन्हें कथा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा माता पार्वती को भी शिव ने यही से कथा सुनाई और कलयुग का मर्म बताया भगवान शिव को प्रणाम करते हुए कहा कि सामान्य विद्यार्थी सामान्य कवि को आज गंगा तट से कथा करने का सौभाग्य मिला या उनके पूर्वजों के आशीर्वाद है राम कथा सुंदर कर तारी, संशय बिहंग उडावनिहारी दोहे के साथ उन्होंने कथा का वृतांत प्रारंभ किया।

प्रो कुमार विश्वास ने कहा कि विज्ञान के छात्रों को समझना होगा कि विज्ञान जहां खत्म होगा अध्यात्म वहीं से शुरू होता है । उन्होंने यह बात छात्र-छात्राओं

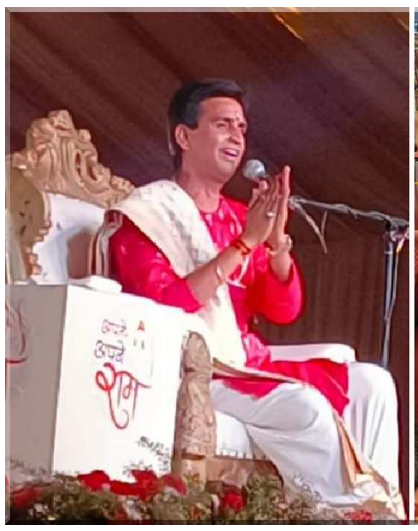

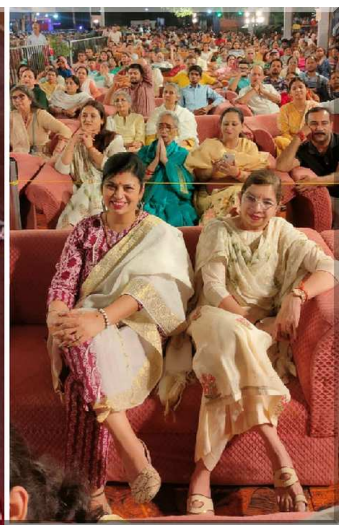

से कहीं ।

कुमार विश्वास ने भरत चरित्र का भावपूर्ण वर्णन कर श्रोतों को मंत्र मुक्त कर दिया ।संगीत में प्रस्तुति पर देर रात तक श्रद्धालु झूमते गाते रहे कहा कि अपने-अपने राम कार्यक्रम से समाज में सार्थक परिवर्तन होगा उन्होंने भक्तों से गंगा तट से अहंकार, ईर्ष्या, और कंजूसी छोड़ने का आहान किया। उन्होंने कहा कर्म करते रहो फल की चिंता मत करो ईश्वर जो करेगा अच्छा करेगा यदि यह भरोसा हो गया तो समझो जीवन सफल हो गया । उन्होंने कहा कि आज इंसान अपने दुख से उतना दुखी नहीं जितना दूसरों के सुख से दुखी होता है ।उन्हें भक्तों से वहां किया कि वह गंगा तट से ईर्ष्या अहंकार और कारण कंजूसी छोड़ने का प्रण लेकर लोटें । यही वसुधैव कुटुंब ओर जीवन की सफलता का मंत्र है । उन्होंने कहा कि तुम्हारे होने से यदि दुनिया सुंदर हो रही है तो तुम सफल हो यदि तुम्हारे होने से तुम्हारे पड़ोसी सगे संबंधी और सहकर्मी खुश है तो आप सुंदर व्यक्ति हैं यदि कार्य स्थल पर गार्ड भी आपसे मुंह फेर ले तो समझ लो तो और आप असुंदर व्यक्ति है।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री गणेश जोशी, पूर्व नगर निगम अध्यक्ष अनीता ममगाई, श्री गंगा सभा के संयोजक हर्षवधन शर्मा, कार्यक्रम संयोजक चंद्रशेखर शर्मा,महामंत्री राहुल शर्मा, विनोद अग्रवाल, जगमोहन सकलानी, रमन शर्मा, रामकृपालु गौतम, डॉ राजेश मनचंदा, बिजेंदर वर्मा, विनय उनियाल , डॉ अजय शर्मा, डॉ धयनेश्वर रतूड़ी, विनोद कोठारी वह हजारों श्रद्धालु जन उपस्थित थे ।

जैन समाज के हित व उत्थान के लिए बैठक का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। जैन समाज के हित व उत्थान के लिए महामंत्री लोकेश जैन के आवास पर कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया।

उत्तराखंड जैन समाज (रजिस्टर्ड) की कार्यकारिणी की एक बैठक महामंत्री लोकेश जैन के आवास रेसकोर्स पर आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सुखमाल चंद जैन ने की। सभा का संचालन महामंत्री लोकेश जैन ने किया। सभा में समाज के हित और उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमे प्रमुख विषय प्रदेश में

आंध्र प्रदेश एवम राजस्थान की तरह जैन कल्याण बोर्ड के गठन की मांग सरकार से करने का रहा। सभी शहरो कस्बों में जैन समाज की इकाई का गठन करना, सभी जैन आमनाओ के धर्म स्थलों की सूची बनाना एवम उनका संवर्धन करना, जैन समाज के आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों को सहायता प्रदान करना,समाज के सभी लोगों की आर्थिक स्थिति सुधार करने के कारकों पर विचार करना प्रमुख मुद्दे उठाए गए। इन सब उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एक कोर कमेटी का गठन किया गया। वरिष्ठ पत्रकार गोपाल सिंघल को प्रदेश मॉडरेटर का दायित्व दिया गया। कोर कमेटी की बैठक यथा संभव प्रतिमाह होगी जिसमे गत मास में की गई कार्यवाही प्रगति की समीक्षा की जाएगी। सभा में रुद्रपुर से पधारे लाला अमरनाथ जैन, एस के जैन, एम के जैन, सुनील जैन, डॉ. रोहित जैन, सुकुमारचंद जैन, गोपाल सिंघल, अमल जैन ने अपने विचार व्यक्त किए।

पूर्व मुख्य सचिव ने बहू व परिजनों पर लगाया ब्लैकमेल करने का आरोप

संवाददाता

देहरादून। पूर्व मुख्य सचिव को बहू व उसके परिजनों द्वारा ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ओल्ड मसूरी रोड निवासी मीना शर्मा ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह एक बुजुर्ग गृहणी है। जिसके बड़े बेटे डा. आर हर्षवर्धन की शादी हेतु उसने जीवन साथी डॉट कॉम में बायोडाटा दिया था। उसके पति एस. रामास्वामी उत्तराखण्ड शासन से बतौर मुख्य सचिव सेवानिवृत्त हुऐ हैं। उनका बेटा थोडा बोलने में दिक्कत महसूस करता है तो उसने अपने बेटे के लिए गरीब परिवार की बहू लाने का निर्णय यह सोचकर लिया कि वह परिवार चलाने में ज्यादा सामर्थ्य वाली होगी। उसने जीवन साथी डॉट कॉम में ही फिरोजपुर पंजाब की एक लडकी सबीना पुत्री राजा राम कश्यप का बायोडाटा देखा जिसके माता पिता नहीं थे और वह एक रेलवे गार्ड की बेटी थी। तो उसने उसके भाई जानिश कश्यप जो कि खुद भी रेलवे गार्ड है, से सम्पर्क किया व अपने व अपने परिवार व बेटे के बारे में सब कुछ बताया तथा साथ ही उसकी बहिन सबीना के बारे में भी जाना। इस बातचीत के बाद कुछ ही दिन में जानिश कश्यप व उसकी पत्नी नेहा कश्यप सीधे उनके घर ओल्ड मसूरी रोड, राजपुर देहरादून आ गये। जहां इनके द्वारा उनका सारा घर देखा गया और फिर बेटे व उससे बातचीत कर आगे लडकी से मिलाने की बात करके चले गये। उसको पता नहीं था कि जानिश कश्यप व नेहा कश्यप उनकी सम्पत्ति व हैसियत की रेकी करने आये हैं। जानिश ने उन्हें 05 नवम्बर 2022 को चण्डीगढ़ में लडका लडकी की मुलाकात के लिए बुलाया गया और फिर दोनों की मुलाकात के बाद 14 दिसम्बर 2022 को फिरोजपुर पंजाब में सगाई की गयी। सगाई के तीसरे दिन वह व उसके पति परमार्थ निकेतन ऋषिकेश में शादी के बारे में बातचीत करने जा रहे थे तो रास्ते में उसके पति को सबीना का फोन आया कि वह शादी नहीं करना चाहती है। यह सुनकर वह अत्यंत परेशान हो गये। उसके पति ने जानिश कश्यप से बात करनी चाही लेकिन वह टाल-मटोल कर उन्हें परेशान करता रहा। फिर उसने 27 दिसम्बर 2024 को उसके पति को लुधियाना बुलाकर सगाई तुडवा दी। उसने सबीना से बातचीत करनी चाही लेकिन जानिश ने मिलाने से मना कर दिया।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

पर्यटकों को लुभाने की रणनीति बने

डॉ जयंतीलाल

लक्षद्वीप विश्व पर्यटन मानचित्र पर छाते हुए दिख रहा है। चार जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लक्षद्वीप पर पहुंचे थे। उन्होंने अपनी तस्वीरें साझा कीं और भारतीयों से लक्षद्वीप घूमने की अपील करते हुए कहा कि जो लोग रोमांच पसंद करते हैं, उनके लिए लक्षद्वीप लिस्ट में टॉप होना चाहिए। वस्तुत: इसे प्रधानमंत्री मोदी का अप्रत्यक्ष रूप से यह संदेश माना गया कि लक्षद्वीप के शानदार समुद्री तट प्राकृतिक सौंदर्य के साथ शांति के मामले में भी मालदीव को टक्कर देते है। इस पर मालदीव सरकार के तीन मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कर दी, जिनकी तीखी आलोचना भारत की नामी हस्तियों ने की। देखते-देखते करीब 4000 भारतीय पर्यटकों ने मालदीव की होटल बुकिंग रद्द कर दी और 3000 भारतीयों ने हवाई टिकट वापस कर दिये। लक्षद्वीप के लिए होटलों और हवाई टिकटों की बुकिंग बढ़ती दिख रही है। ऐसे सख्त रुख के बाद मालदीव सरकार सकते में आ गयी और उन तीनों मंत्रियों को निलंबित कर दिया गया। दुनिया का यह पहला ऐसा मामला रहा, जब किसी अन्य देश के नेता पर टिप्पणी पर मंत्री निलंबित हुए हों। इस घटनाक्रम से देश-दुनिया में यह संदेश गया कि भारत के पास ऐसे पर्यटन स्थलों का बेजोड़ खजाना है, जहां कम समय और खर्च में विदेशी पर्यटन की चाह रखने वाले जा सकते हैं। एक ऐसे समय में जब दुनिया में पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध देशों में भारतीय पर्यटकों को लुभाने की होड़ लगी हुई है, तब लक्षद्वीप का यह हालिया पर्यटन घटनाक्रम और अन्य घरेलू पर्यटन स्थलों को रेखांकित करते हुए नये रणनीतिक प्रयास न केवल भारतीय पर्यटकों के विदेशी पर्यटन स्थलों की ओर बढ़ते प्रवाह को कम करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं, बल्कि अन्य देशों के पर्यटकों को भी आकर्षित करने में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। पिछले दिनों श्रीलंका, थाईलैंड और मलयेशिया ने भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने तथा विदेशी मुद्रा की कमाई बढ़ाने के मद्देनजर वीजा मुक्त प्रवेश की पहल की है। ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम और रूस सहित कुछ दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में भी भारतीय पर्यटकों के लिए वीजा की प्रक्रिया आसान बनायी गयी है। वस्तुत: अमेरिका और यूरोपीय संघ के कई देशों के वीजा के लिए प्रतीक्षा अवधि लंबी होने और चीनी पर्यटकों की संख्या कम होने के कारण भी ये देश विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की नयी रणनीतियां बना रहे हैं। पर्यटन प्रधान देशों में उन शोध अध्ययनों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिनमें कहा जा रहा है कि भारतीय मध्य वर्ग की बढ़ती क्रय शक्ति के कारण उनमें विदेश यात्रा की ललक बढ़ी है। भारतीय पर्यटकों के लिए भारत के अच्छे पर्यटन स्थल महंगे और मुश्किल भरे हुए हैं। ऐसे में भारतीय पर्यटकों को लुभाने के लिए हर संभव प्रयास हो रहे हैं। सबसे अधिक विदेशी पर्यटकों के लिए रेखांकित हो रहे फ्रांस, स्पेन, अमेरिका, चीन और इटली हों या फिर सिंगापुर, वियतनाम, थाईलैंड, इंडोनेशिया, हांगकांग, मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात जैसे छोटे देश हों, ये सभी पर्यटन विकास सूचकांक में ऊंचाई पर हैं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय पर्यटकों की विदेश यात्राओं में किये जाने वाले खर्च का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है, पर विदेशी पर्यटकों द्वारा भारत में किये जाने वाले खर्च में वैसी ऊंचाई नहीं है। विदेशी पर्यटकों द्वारा भारत में खर्च 2019 से 76 फीसदी की वृद्धि के साथ 2027 तक करीब 60 अरब डॉलर पर पहुंचते हुए दिखाई देगा और परिणामस्वरूप भारत विदेशी पर्यटकों से कमाई के मामले में दुनिया के प्रमुख 10 बाजारों में शामिल नहीं हो पायेगा। यदि हम बर्नस्टीन की इस रिपोर्ट का विश्लेषण करें, तो पाते हैं कि यद्यपि भारत में भी कोविड-19 के बाद विदेशी पर्यटक बढ़ रहे हैं और उनसे आमदनी बढ़ रही है, लेकिन विदेश जाने वाले भारतीयों द्वारा किये जा रहे भारी व्यय की तुलना में वह बहुत कम है। अभी दुनिया के विदेशी पर्यटकों का दो फीसदी से भी कम हिस्सा भारत के खाते में आ रहा है। एक ओर जहां भारतीयों का विदेशी पर्यटन की तरफ बढ़ता रुझान घरेलू पर्यटन के लिए नुकसान की तरह है, वहीं देश के विदेशी मुद्रा कोष को घटाने वाला भी है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप देश में विदेशी पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन के व्यापक बुनियादी ढांचे और अन्य सुविधाओं को नयी वैश्विक पर्यटन सोच के साथ आकार दिया गया है। बेहतर सड़क, रेल और हवाई संपर्क से भी विदेशी पर्यटन को बढ़ाने के प्रयास किये गये हैं। कश्मीर सहित देश के पर्यटन केंद्र अब पहले से अधिक सुरक्षित हैं। पर्यटन बजट में लगातार वृद्धि की गयी है। खास बात यह भी है कि सरकार ने जी-20 की अध्यक्षता के दौरान समूह की बैठकों को 80 से अधिक शहरों में आयोजित किया गया था। वह भारत आये विदेशी प्रतिनिधियों और मेहमानों को पर्यटन स्थलों का भ्रमण करवा कर इनके वैश्विक प्रचार-प्रसार का अभूतपूर्व मौका रहा। ऐसे प्रयासों के बाद भी भारत में विदेशी पर्यटकों की संख्या अपेक्षित रूप से नहीं बढ़ी है। वर्ष 2023 में भारत आये विदेशी पर्यटकों की संख्या महामारी से पहले 2018 में आये पर्यटकों की तुलना में बहुत कम है। निश्चित रूप से लक्षद्वीप के वर्तमान पर्यटन घटनाक्रम से यह संदेश निकला है कि घरेलू पर्यटकों के बढ़ते विदेश पर्यटन के कदमों को नियंत्रित कर उन्हें देश के पर्यटन स्थलों की ओर मोड़ा जा सकता है। हम उम्मीद करें कि सरकार लक्षद्वीप के हालिया घटनाक्रम तथा दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों और दुनिया के ऊंचे क्रम के पर्यटन प्रधान देशों की तरह भारत में भी पर्यटन क्षेत्र को और जीवंत बनाने की नयी रणनीति के साथ वैश्विक पर्यटन की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पहली पंक्ति में आने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेगी। हम उम्मीद करें कि देश में भी विदेशी पर्यटकों को रिझाने के लिए वीजा नीति उदार बनायी जायेगी और आसानी से वीजा देने के लिए ठोस प्रशासनिक ढांचा तैयार किया जायेगा। हम उम्मीद करें कि सरकार अयोध्या में राम मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक और वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम जैसे आस्था के केंद्रों का देशभर में विकास करेगी और वहां बुनियादी ढांचा व पर्यटन सुविधाओं को सुगम बनायेगी। निश्चित रूप से ऐसे में देश 2030 तक विदेशी पर्यटकों से 56 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लक्ष्य को हासिल करने के दिशा में आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगा। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

दुनिया में अब प्रचंड गर्मी के दिन धीरे-धीरे बढ़ते चले जा रहे हैं

अनिल प्रकाश

इस बार पर्यावरण दिवस पर यूनाइटेड नेशंस ने जिस विषय पर चर्चा का आह्वान किया है, वह बंजर पड़ती जमीन और बढ़ता मरुस्थल है। पर्यावरण के आज के हालात कम-से-कम यह तो समझा ही रहे हैं कि सब कुछ अब हमारे नियंत्रण से बाहर जा रहा है। इस बार के ग्रीष्म काल को ही देख लीजिए, जिसने फरवरी से ही गर्मी का अहसास दिला दिया और जून में पहुंचते-पहुंचते इसने प्रचंड रूप दिखा दिया है। पूरी दुनिया में औसत तापक्रम बढ़ा है। दुनिया में अब प्रचंड गर्मी के दिन धीरे-धीरे बढ़ते चले जा रहे हैं। आज दुनिया में 80 प्रतिशत लोग गर्मी झेल रहे हैं। पहले इस तरह के दिनों की संख्या 27 प्रतिवर्ष के आसपास होती थी, आज वर्ष में 32 दिन ऐसे हैं जो खतरे की सीमा तक गर्मी को पहुंचा देंगे। बिहार, जैसलमेर, दिल्ली समेत देश के तमाम कोनों से खबरें आ रही हैं कि हीटवेव ने परिस्थितियां बदतर कर दी हैं।

बढ़ती गर्मी का सबसे महत्वपूर्ण कारण है कि हमने पृथ्वी और प्रकृति के बढ़ते असंतुलन की तरफ कभी ध्यान ही नहीं दिया। दुनियाभर में एक-एक कर प्रकृति के सभी संसाधन या तो बिखर गये या फिर घटते चले गये। हमने अपनी जीवनशैली को कुछ इस तरह बना दिया है कि अब हम उन आवश्यकताओं से बहुत ऊपर उठ गये हैं जो जीवन का आधार मात्र थीं। हमने विलासिताओं को भी आवश्यकताओं में बदल दिया है, जिनके चलते पृथ्वी के हालात गंभीर होते चले गये। हमारी जीवनशैली में आया बदलाव, बढ़ता शहरीकरण और ऊर्जा की अत्यधिक खपत के कारण ग्लेशियर हो या नदियां, सूखने की कगार पर पहुंच चुकी हैं।

दुनिया में करीब 24 प्रतिशत भूमि अब मरुस्थलीय लक्षण दिखा रही है और इसमें भी कुछ देश तो ऐसे हैं, जिनमें हालत ज्यादा गंभीर हैं। इनमें बोलीविया, चिली, पेरू में तो 27 से 43 प्रतिशत भूमि मरुस्थलीय हो चुकी है। अर्जेंटीना, मेक्सिको, प्राग के भी ऐसे ही हालात हैं जहां की 50 प्रतिशत से अधिक भूमि बंजर हो चुकी है। आज दुनियाभर में बढ़ते ग्रासलैंड व सवाना जैसे मरुस्थल इसी ओर संकेत करते हैं कि ये भूमि उपयोगी नहीं रही। मरुस्थलीय परिस्थितियां उसे कहते हैं जहां कुछ भी पैदा होना संभव नहीं होता। पूरी धरती लवणीय हो जाती है और पानी की भारी कमी हो जाती है। अपने देश में यह मानकर चला जा रहा है कि 35 प्रतिशत भूमि पहले ही डिग्रेड हो चुकी है और इसमें भी 25 प्रतिशत मरुस्थलीय बनने की राह पर है। ऐसी स्थिति अधिकतर उन राज्यों में है जो संसाधनों की दृष्टि से महत्वपूर्ण थे। जैसे झारखंड, गुजरात, गोवा। इनमें दिल्ली और राजस्थान भी शामिल हैं। इन क्षेत्रों में 50 प्रतिशत से अधिक भूमि बंजर पड़ने के लिए तैयार बैठी है। जरा सी राहत की बात यह है कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, केरल, मिजोरम में अभी 10 प्रतिशत ही बंजरपन दिखाई दे रहा है। यदि इनके कारणों को तलाशने की कोशिश करें, तो पता चलता है कि दुनियाभर की 50 प्रतिशत भूमि को अन्य उपयोग में डाल दिया गया है जहां पहले वन, तालाब या प्रकृति के अन्य संसाधनों के भंडार हुआ करते थे। इनमें से 34 प्रतिशत देशों में ये अत्यधिक बदलाव की श्रेणी में है, जबकि 48 प्रतिशत देशों में मध्यम रूप से बदलाव आया है। वहीं 18 प्रतिशत देशों में ज्यादा भूमि उपयोग नहीं बदला है। दक्षिण एशिया में तो 94 प्रतिशत भूमि उपयोग बदल चुका है और यूरोप में 90 प्रतिशत। अफ्रीका में यह प्रतिशत 89 है। भूमि उपयोग में बदलाव का ही प्रताप है कि आज प्रकृति हमारा साथ तेजी से छोड़ रही है। जब से उद्योग क्रांति आयी, तब से हमने 68 प्रतिशत वनों को खो दिया। आज दुनिया में मात्र 31 प्रतिशत वन बचे हैं। इस तरह, एक व्यक्ति के हिस्से में करीब 0।68 ही वृक्ष आयेंगे। अपने देश के हालात तो और भी गंभीर हैं। दावा किया जाता है कि हमारे पास 23 प्रतिशत भूमि वनों में है। यदि इसे भी मान लें, तो भी देश के प्रति व्यक्ति के हिस्से 0।08 भूमि है। दूसरी चिंता की बात यह है कि देश का ऐसा कोई भी कोना नहीं है जहां व्यवसाय के रूप में खनन ने अपना पैर नहीं फैलाया है।

दुनिया में खेती के पैटर्न में भी बहुत अधिक बदलाव आया है। अब खेती व्यावसायिक हो चली है और इसमें रसायनों का भी अधिकाधिक उपयोग होता है। इस कारण खेती वाली भूमि भी बंजर हो गयी। पानी के अभाव के कारण भी कई स्थानों पर खेती को त्याग दिया गया है। ये सब भी मरुस्थलीय परिस्थितियों की तरफ चल चुकी हैं। बंजर हालातों के लिए क्लाइमेटिक वेरिएशन भी कारण बना है। हमारी जंगलों पर निर्भरता भी कुछ हद तक घातक बनी है। हमारे पास आज कोई भी ऐसा विकल्प नहीं बचा है या गंभीर योजना पर कोई ऐसी चर्चा नहीं हो रही है कि हम बंजर भूमि को वापस ला सकें। सिवा केवल एक प्रयोग के कि यदि हम वन लगाने को जन आंदोलन में बदल दें, तो शायद कुछ आशा बन पायेगी। हमें वनों की प्रजाति पर भी उतना ही गंभीर होना होगा, क्योंकि स्थानीय वन ही वहां की प्रकृति को जोड़ते हैं और साथ देते हैं। आज दुनियाभर में बढ़ती गर्मी और समुद्र से उठे तूफान कम से कम हमें कुछ तो समझा पायेंगे कि हम आज एक ऐसी सीमा पर खड़े हैं, जहां आने वाले समय में बंजर होती दुनिया हमें डुबा देगी। फिर संभवत: हमारे लिए जीने का कोई कारण नहीं बचेगा।

चेहरा धोते समय कहीं आप ये गलतियां तो नहीं करते

आज के समय में कोई ऐसा नहीं है जो कि अपने चेहरे का ठीक ढंग से ख्याल नहीं रखता हो। आज का दौर पैशन का दौर है। जिसमें कोई कभी किसी से कम नहीं दिखना चाहता है।

अगर किसी पार्टी में जाना है तो 4 दिन पहले से ही तैयारियों में जुट जाते है। जिससे कि उस दिन कोई समस्या न हो। इसी तरह हम जब अपना मेकअप उतारते है तो साफ पानी से मुंह धो लेते है। लेकिन आप जानते है कि आपका चेहरा धोने का तरीका आपके स्किन के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है।

हम चेहरे धोते समय अक्सर ऐसी गलतियां कर देते है जिसके कारण हमारी स्किन सहीं नही रहती है। वह बेजान भी हो सकती है। जानिए ऐसी कौन सी गलतियां है जो हमें नहीं करनी चाहिए।

जब भी आप अपने चेहरे को धोने जाए तो इस बात का ध्यान रहे कि जिस पानी का इस्तेमाल कर रहे है वो न ज्यादा ठंडा और न ही ज्यादा गर्म हो। इससे आपके चेहरे को नुकसान हो सकता है। इसलिए हल्के गुनगुने पानी से अपना चेहरा धोए।

इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि कभी भी साबुन से अपना चेहरा न धोए। इससे आपको नुकसान हो सकता है। अगर फेसवॉश खत्म हो गया है तो इसके बदले

आप बेसन का इस्तेमाल कर सकते है।

चेहरे को स्क्रब करना बहुत ही जरुरी है, लेकिन इसके लिए अपने हाथ इस्तेमाल करें। अगर आपने स्क्रबर का इस्तेमाल किया तो आपकी स्किन रगड़ भी सकती है। जिससे इसका निशान पड़ जाएगा।

कभी भी चेहरे धाने से पहले अपने हाथों को साफ करें, क्योंकि आपके चेहरे से ज्यादा आपके हाथ गंदे होते है। जिससे आपको चेहरा धोने से फायदा नहीं तो नुकसान जरुर होगा।

कभी भी अपने चेहरे को रगड़ कर नही पोछना चाहिए। जब भी पोछिए कोमल हाथों से पोछे।

अपने चेहरे को बार-बार नहीं धोना चाहिए। कई लोग मानते है कि बार-बार चेहरा धोने से गोरे होते है। जबकि ऐसा नहीं है ऐसा करने से आपकी स्किन बेजान हो सकती है।

जब भी आप अपने चेहरे का मेकअप उतारना चाहती है तो सीधे पानी से अपने चेहरे को न धोए। उससे पहले कॉटन को लेकर अपने चेहरे को पोछ लें। इसके बाद पानी से चेहरा साफ करें। अगर आपने पहले ही चेहरा धोया तो मेकअप के लवण आपके स्किन के रोमछिद्र चले जाएगे। जिससे वह बंद हो जाएगे।

मानव जीवन भी संकट में होगा

पंकज चतुर्वेदी

पिछले माह मई 26 को असम के तिनसुकिया जिले की पाटकाई पहाडियों पर अवैध रूप से संचालित 'रेट होल माइंस' में दब कर तीन लोग मारे गए। विदित हो पास ही मेघालय के पूर्वी जयंतिया जिले में कोयला उत्खनन की 26 हजार से अधिक 'रेट होल माइंस' अर्थात चूहे के बिल जैसी खदानें बंद करने के लिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के आदेश को दस साल हो गए हैं, लेकिन आज तक एक भी खदान बंद नहीं हुई। कुछ साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी इन खतरनाक खदानों को बंद करने लेकिन पहले से निकाल लिए गए कोयले के परिवहन के आदेश दिए थे। इस काम की निगरानी के लिए मेघालय हाई कोर्ट द्वारा नियुक्त जस्टिस बीके काटके समिति ने अपनी 22वीं अंतरिम रिपोर्ट में बताया है कि किस तरह ये खदानें अभी भी मेघों का देश कहे जाने वाले प्रदेश के परिवेश में जहर घोल रही हैं। उल्लेखनीय है कि कभी दुनिया में सबसे अधिक बरसात के लिए मशहूर मेघालय में अब प्यास ने डेरा जमा लिया है। यहां नदियां जहरीली हो रही हैं, और सांस में कार्बन घुल रहा है। यह सब हो रहा है इन खतरनाक खदानों से कोयले के अवैध, निर्बाध खनन के कारण। हाई कोर्ट की कमेटी बताती है कि अभी भी अकेले पूर्वी जयंतिया जिले की चूहा-बिल खदानों के बाहर 14 लाख मीट्रिक टन कोयला पड़ा हुआ है जिसको हटाया जाना है। दस साल बाद भी इन खदानों को कैसे बंद किया जाए, इसकी 'विस्तृत कार्यान्वयन रिपोर्ट' अर्थात डीपीआर प्रारंभिक चरण में केंद्रीय खनन योजना एवं डिजाइन संस्थान लिमिटेड (सीएमपीडीआई) के पास लंबित है।

एक बात और, 26 हजार की संख्या तो केवल एक जिले की है, ऐसी ही खदानों का विस्तार वेस्ट खासी हिल्स, साउथ वेस्ट खासी हिल्स और साउथ गारो हिल्स जिलों में भी है। इनकी कुल संख्या सात हजार से अधिक होगी। जस्टिस काटके की रिपोर्ट में कहा गया है, 'मेघालय पर्यावरण संरक्षण एवं पुनर्स्थापन निधि (एमईपीआरएफ) में 400 करोड़ रु पये की राशि बगैर इस्तेमाल पड़ी है, और इन खदानों के कारण हुए प्रकृति को नुकसान की भरपाई का कोई कदम उठाया नहीं गया। मेघालय में प्रत्येक एक वर्ग किलोमीटर में 52 रेट होल खदान हैं। अकेले जयंतिया हिल्स पर इनकी संख्या 26 हजार से अधिक है। असल में ये खदानें दो तरह की होती हैं। पहली किस्म की खदान बमुश्किल तीन से चार फीट की होती हैं। इनमें श्रमिक रेंग कर घुसते हैं। साइड कटिंग के जरिए मजूदर को भीतर भेजा जाता है और वे तब तक भीतर जाते हैं, जब तक उन्हें कोयले की परत नहीं मिल जाती। सनद रहे मेघालय में कोयले की परत बहुत पतली हैं, कहीं-कहीं तो महज दो मीटर मोटी। इसमें अधिकांश बच्चे ही घुसते हैं। एनजीटी की रोक के बाद मेघालय की पिछली सरकार ने स्थानीय संसाधनों पर स्थानीय आदिवासियों के अधिकार के कानून के तहत इस तरह के खनन को वैध रूप देने का प्रयास किया था लेकिन कोयला खदान (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1973 की धारा 3 के तहत कोयला खनन के अधिकार, स्वामित्व आदि हित केंद्र सरकार के पास सुरक्षित हैं। सो, राज्य सरकार अवैध खनन को वैध का अमलीजामा नहीं पहना पाई। लेकिन गैर-कानूनी खनन, भंडारण और पूरे देश में इसका परिवहन चलता रहता है। आये रोज लोग मारे जाते हैं, कुछ जब्ती और गिरफ्तारियां होती हैं, और खेल जारी रहता हैं। रेट होल खनन न केवल अमानवीय है, बल्कि इसके चलते यहां से बहने वाली कोपिली नदी का अस्तित्व ही मिट सा गया है। एनजीटी ने अपने पाबंदी आदेश में कहा था कि खनन इलाकों के आसपास सडक़ों पर कोयले का ढेर जमा करने से वायु, जल और मिट्टी के पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है। भले ही कुछ लोग इस तरह की खदानों पर पाबंदी से आदिवासी अस्मिता का मसला जोड़ते हों, लेकिन हकीकत सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत नागरिक समूह की रिपेर्ट में बताई गई थी कि अवैध खनन में प्रशासन, पुलिस और बाहर के राज्यों के धनपति नेताओं की हिस्सेदारी है, और स्थानीय आदिवासी तो केवल शेषित श्रमिक ही हैं। लुका नदी पहाडियों से निकलने वाली कई छोटी सरिताओं से मिल कर बनी है, इसमें लुनार नदी के मिलने के बाद इसका प्रवाह तेज होता है। इसके पानी में गंधक की उच्च मात्रा, सल्फेट, लोहा और कई अन्य जहरीली धातुओं की उच्च मात्रा और पानी में आक्सीजन की कमी पाई गई है। एक और खतरा है कि जयंतिया पहाडियों के गैर-कानूनी खनन से कटाव बढ़ रहा है, दलदल बढऩे से मछलियां कम आ रही हैं। ऊपर से जब खनन का मलबा इसमें मिलता है तो जहर और गहरा जाता है। मेघालय ने गत दो दशकों में कई नदियों को नीला होते, फिर उनके जलचर मरते और आखिर में जलहीन होते देखा है।

विडंबना है कि यहां प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड से ले कर एनजीटी तक सभी विफल हैं। दुर्भाग्य है कि अदालत की फटकार है, पर्याप्त धन है लेकिन इन खदानों से टपकने वाले तेजाब से प्रभावित हो रहे जनमानस को कोई राहत नहीं है। यह हरियाली चाट गया, जमीन बंजर कर दी, भूजल इस्तेमाल लायक नहीं रहा और बरसात में यह पानी बह कर जब पहाड़ी नदियों में जाता है तो वहां भी तबाही ला देता है। नदी में मछलियां लुप्त हैं। अभी तो मेघालय से बादलों की कृपा भी कम हो गई है, चेरापूंजी अब सर्वाधिक बारिश वाला गांव नहीं रह गया है। यदि कालिख की लोभ में नदियां भी खोदीं तो दुनिया के इस अनूठे प्राकृतिक सौंदर्य वाली धरती पर मानव जीवन भी संकट में होगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

150 तरीके के होते हैं सिर दर्द, सबसे खतरनाक होता है माइग्रेन, जानें इसका कारण और बचाव

आजकल स्ट्रेस, अनहेल्दी लाइफस्टाइल और खानपान के कारण हमारे शरीर के अंगों पर कई गंभीर असर पड़ते हैं। जिनमें से एक माइग्रेन भी है, जिसमें भयंकर सिर दर्द होता है। लेकिन अधिकतर लोग आम सिर दर्द को माइग्रेन समझ लेते हैं या माइग्रेन के दर्द को आम सिर दर्द समझ कर इसे नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन आपको माइग्रेन के इन पांच मूल कारणों के बारे में पता होना चाहिए, जिससे माइग्रेन ट्रिगर हो सकता है और आपकी स्थिति को और ज्यादा खराब कर सकता है।

जेनेटिक हो सकता है माइग्रेन

जी हां, डॉक्टरों का मानना है कि माइग्रेन अक्सर फैमिली हिस्ट्री से जुड़ा हुआ होता है। यदि आपके किसी फैमिली मेंबर को पहले से माइग्रेन की समस्या है, तो यह संभावना है कि आपको भी माइग्रेन की समस्या हो सकती है।

हार्मोनल चेंज

माइग्रेन के अन्य कारणों में से एक हार्मोनल चेंजेस भी है। खासकर महिलाओं के हार्मोन में पीरियड्स या प्रेगनेंसी की दौरान उतार-चढ़ाव होते हैं, उससे माइग्रेन ट्रिगर हो सकता है। दरअसल, शरीर में एस्ट्रोजन के लेवल में बदलाव होने के कारण माइग्रेन की स्थिति और गंभीर हो सकती है।

पर्यावरणीय कारक

कई बार पर्यावरणीय कारक भी माइग्रेन को ट्रिगर कर सकते हैं। जैसे तेज धूप, टिमटिमाती रोशनी, तेज गंध, तेज आवाज, मौसम में बार-बार बदलाव होना भी माइग्रेन के दर्द को बढ़ा सकता है।

खाने पीने की हैबिट

जी हां, कुछ खाद्य पदार्थ और ड्रिंक माइग्रेन को ट्रिगर करने के लिए जाने जाते हैं। खासकर अल्कोहल, कैफीन, प्रोसेस्ड मीट और मोनोसोडियम युक्त खाद्य पदार्थ और ड्रिंक का सेवन करना माइग्रेन को ट्रिगर कर सकता है। इसके अलावा खाने में बहुत ज्यादा गैप करना या उपवास करना भी माइग्रेन के दर्द को बढ़ा सकता है।

स्ट्रेस और तनाव

स्ट्रेस और तनाव माइग्रेन को बढ़ाने का सबसे बड़ा कारण हो सकता है। जब आप तनाव, चिंता या डिप्रेशन का शिकार होते हैं, तो आपके दिमाग पर इसका असर पड़ता है और यह माइग्रेन को ट्रिगर करके इसके दर्द को बढ़ा सकता है। इसके लिए आपको माइंडफुलनेस ध्यान, योग, फिजिकल एक्टिविटी और पर्याप्त नींद लेना चाहिए।

महंगी पड़ सकती है बार-बार बॉडी चेकअप कराने की आदत

तेजी से बदलती लाइफस्टाइल कई बीमारियों को बढ़ावा दे रही है। लोग अलग-अलग बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। जिसकी पहचान के लिए उन्हें बॉडी चेकअप की जरूरत पड़ती है। कुछ लोग शरीर में जरा सा बदलाव होने पर ही फुल बॉडी चेकअप करवाने पहुंच जाते हैं। बार-बार वे ऐसा ही करते हैं। अगर आप भी ऐसा कर रहे हैं तो सावधान हो जाइए, क्योंकि ये खतरनाक हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स इससे बचने की सलाह देते हैं।

अगर आप बार-बार फुल बॉडी चेकअप करवाने के लिए डॉक्टर के पास पहुंच जाते हैं तो इस आदत को बदल लीजिए, वरना महंगा पड़ सकता है। इससे आप मानसिक तौर पर बीमार हो सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे शरीर को कई दिक्कतें हो सकती हैं, जो आगे चलकर आपकी सेहत के लिए परेशानी कारण बन सकती हैं, इसलिए जबरदस्ती का चेकअप करवाने से बचें और जरा-जरा सी बात पर अस्पताल न जाएं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, कई बार पैथोलॉजी कंपनियां कस्टमर्स को फुल बॉडी चेकअप का ऑफर देती हैं। कम दाम में फुल बॉडी चेकअप जैसी सुविधा वाले ऑफर के चक्कर में न पड़े, क्योंकि कई बार कंप्यूटर पर चेकअप के दौरान कोई कमी हाइलाइट कर दी जाती है। कभी कैल्शियम या विटामिन डी की कमी बता दी जाती है, जिससे दिमाग में एक डर बैठ जाता है और फिर बार-बार चेकअप करवाने लगते हैं।

आप जितनी बार फुल बॉडी चेकअप के लिए जाते हैं, उतनी बार आपका ब्लड निकाला जाता है। जब कुछ कमी बताई जाती है तो लोग दिमाग में भ्रम बैठाकर इलाज करवाने लगते हैं, जो आगे चलकर परेशानी का कारण भी बन सकता है। इसलिए कभी भी बिना डॉक्टर की सलाह के फुल बॉडी चेकअप न करवाएं।

शब्द सामर्थ्य -110

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

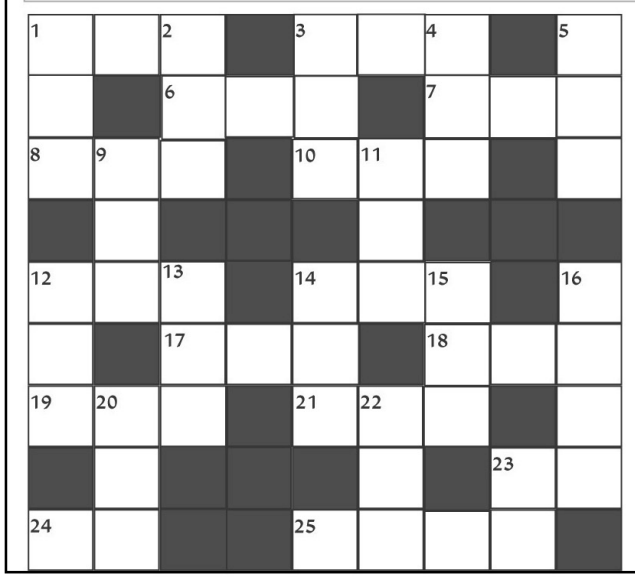

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 109 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

एक-दूजे संग इश्क फरमाते दिखे रकुल और सिद्धार्थ

कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 इस साल की चर्चित फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 1996 में आई इंडियन का सीक्वल है।इस फिल्म का हिंदी संस्करण हिंदुस्तानी 2 से रिलीज किया जाएगा। फिल्म का पहला भाग हिंदुस्तानी नाम से रिलीज हुआ था।रकुल प्रीत सिंह और सिद्धार्थ भी फिल्म का हिस्सा हैं।अब निर्माताओ ने हिंदुस्तानी 2 का गाना धागे जारी कर दिया है, जिसमे रकुल और सिद्धार्थ एक–दूजे के साथ इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। धागे गाने के मनोज मुंतशिर शुक्ला ने लिखे है। एबी वी और श्रुतिका समुद्राला ने इस गाने को अपनी आवाज दी है।हिंदुस्तानी 2 12 जुलाई, 2०24 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। काजल अग्रवाल भी इस फिल्म मे नजर आएंगी।बॉक्स ऑफिस पर इंडियन 2 का सामना अक्षय कुमार और राधिका मदान की फिल्म सरफिरा से होगा।इनके अलावा जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की फिल्म वेदा भी 12 जुलाई को सिनेमाघरों का रुख करेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ इंडियन 2 में एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहा है। इंडियन 2 का एल्बम 1 जून को चेन्नई के नेहरू इंडोर स्टेडियम में भव्य तरीके से लॉन्च किया जाएगा। कहा जा रहा है कि इस कार्यक्रम के लिए चिरंजीवी, राम चरण, रणवीर सिंह और मोहनलाल को आमंत्रित किया गया है। ऑडियो लॉन्च के बारे में आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। निर्देशक शंकर की इंडियन 2 साल 1996 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म इंडियन का सीक्वल है। वहीं बात करें फिल्म के कलाकार के बारे में तो इसमें कमल हासन के साथ काजल अग्रवाल, रकुल प्रीत सिंह, प्रिया भवानी शंकर, सिद्धार्थ, समुथिरकानी, बॉबी सिम्हा, ब्रह्मानंदम और अन्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस और रेड जाइंट मूवीज ने मिलकर किया है। अनिरुद्ध रविचंदर ने धुनें बनाई हैं। इंडियन 2 12 जुलाई को तीन भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

सन ऑफ सरदार 2 से सोनाक्षी सिन्हा आउट

अजय देवगन की साल 2०12 में आई कॉमेडी ड्रामा फिल्म सन ऑफ सरदार तो सभी को याद होगी. सन ऑफ सरदार साल 2०12 की हिट और सक्सेस फिल्मों की लिस्ट में शुमार हुई थी. सन ऑफ सरदार के जरिए अजय देवगन पहली बार पगड़ी पहनकर कैमरे के सामने आए थे और एक्टर की कॉमिक टाइमिंग ने फैंस को खूब हंसाया था. अब 12 साल बाद सन ऑफ सरदार के दूसरे पार्ट यानी सीक्वल की बात लंबे समये से चल रही है. सन ऑफ सरदार 2 से लेटेस्ट अपडेट ये आई है कि अब फिल्म के सीक्वस से सोनाक्षी सिन्हा का पत्ता साफ हो गया है और अब साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में काम करने वाली इस खूबसूरत हसीना की एंट्री हो गई है.

रिपोर्ट्स की मानें तो, सन ऑफ सरदार 2 की कास्टिंग शुरू हो गई है और इस बार अजय देवगन के साथ सोनाक्षी सिन्हा नहीं बल्कि मृणाल ठाकुर रोमांस करेंगी. अगर ऐसा हुआ तो यह पहली बार होगा जब अजय और मृणाल एक साथ पर्दे पर काम करेंगे. रिपोर्ट्स के मुताबिक, सन ऑफ सरदार 2 की स्टोरी के हिसाब से सोनाक्षी इसमें फिट नहीं दिख रही हैं. लेकिन, अभी तक इस मृणाल के फिल्म में आने और सोनाक्षी के फिल्म से जाने पर मेकर्स की प्रतिक्रिया नहीं आई है. कहा जा रहा है कि आने वाले कुछ समय में अजय देवगन फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे. फिलहाल अजय एक्शन डायरेक्टर रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की फिल्म सिंघम अगेन की शूटिंग कर रहे हैं. वहीं, सन ऑफ सरदार 2 में संजय दत्त की जगह सनी देओल ले सकते हैं.

रिवीलिंग साड़ी पहन सुरभि चंदना ने बिखेरा हुस्न का जलवा

एक्ट्रेस सुरभि चंदना अपने खूबसूरत और स्टनिंग फिगर के चलते सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो हर वक्त अपनी तस्वीरों से फैंस को अपनी ओर अट्रेक्ट करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिसमें एक्ट्रेस का बेहद ही दिलकश अंदाज देखने को मिल रहा है। टीवी एक्ट्रेस सुरभि चंदना हमेशा अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें शेयर कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर आते ही लोगों के बीच बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने रिवीलिंग साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर लोग उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। साथ ही उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थक रहे हैं। गले में नेकलेस, ग्लैम मेकअप और बाल खोलकर एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। सुरभि चंदना फोटोशूट के दौरान कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई फोटोज क्लिक करवा रही हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। सुरभि चंदना का हर एक अवतार देखकर अक्सर फैंस अपना दिल हार जाते हैं।

मौनी रॉय ने ब्लू बिकनी में समंदर किनारे लगाई आग

टीवी सीरियल अभिनेत्री मौनी रॉय इंस्टाग्राम की क्वीन हैं। अदाकारा को अपने फैंस को रिझाना बखूबी आता है। यही वजह है कि एक्ट्रेस की सिजलिंग तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आते ही वायरल होने लगती हैं। अदाकारा मौनी रॉय ने एक बार फिर अपने फैंस को बिकिनी तस्वीरों से ट्रीट दी है। इन तस्वीरों में ब्रह्मास्त्र स्टार मौनी रॉय अपने परफेक्ट फिगर को फ्लॉन्ट करते हुए हर किसी का दिल जीतती दिख रही हैं। यही वजह है कि अदाकारा मौनी रॉय की बिकिनी तस्वीरों ने एक बार फिर इंटरनेट की दुनिया में खलबली मचा दी है।

मौनी रॉय ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वह ब्लू बिकनी में बेहद हॉट लग रही हैं. इन तस्वीरों में मौनी ने अपने बालों को बांध रखा है और हल्का मेकअप किया हुआ है, जिससे उनकी नैचुरल खूबसूरती और भी निखर कर आ रही है. समंदर किनारे खड़े होकर मौनी ने कई आकर्षक पोज़ दिए, जिनसे उनकी हॉटनेस ने मानो आग लगा दी है. मौनी की इन तस्वीरों और वीडियो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है और फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं.

इसके साथ ही मौनी रॉय कई सीरियल और रिएलिटी शो जैसे पति पत्नी और वो, दो सहेलियां, जरा नचके दिखा, कस्तूरी में काम कर चुकी हैं।

मौनी रॉय ने साल 2०18 में आई फिल्म गोल्ड से अपने बॉलीवुड करियर का शुरुआत की। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार रहे।

मौनी रॉय ने सूरज नांबियार के साथ काफी दिनों से डेट कर रही थीं, जिसके बाद दोनों ने हाल ही में शादी कर ली।

बॉक्स ऑफिस पर मनोज बाजपेयी की भैया जी ने तोड़ा दम!

चिलचिलाती गर्मी के मौसम में बॉक्स ऑफिस का मिजाज ठंडा पड़ा हुआ है. पिछले काफी टाइम से कोई भी फिल्म टिकट काउंटर पर कमाल नहीं दिखा पाई है. हाल ही में मनोज बाजपेयी की एक्शन मसाला से भरपूर फिल्म 'भैया जी' रिलीज हुई थी.

इस फिल्म से काफी उम्मीदें थी लेकिन ये रिलीज के पहले ही दिन ठंडी पड़ गई और अब तक कोई कमाल नहीं दिखा पाई है.

'भैया जी' मनोज बाजपेयी की 1००वीं फिल्म है. इस रिवेंज ड्रामा का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है. अपूर्व और मनोज बाजपेयी की जोड़ी ने इससे पहले सिर्फ एक बंदा काफी है में भी कोलैबोरेशन किया था. इस फिल्म को काफी तारीफ मिली थी लेकिन इस बार अपूर्व और मनोज की 'भैया जी' दर्शको की कसौटी पर खरी नहीं उतरी और कोई भौकाल नहीं मचा पाई.

फिल्म रिलीज के पहले ही दिन सिनेमाघरों में दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आई. हालांकि वीकेंड पर फिल्म की कमाई में थोड़ी तेजी भी आई लेकिन वीकडेज में 'भैया जी' का कारोबार फुसस हो गया और लाखों में सिमट कर रह गया.

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की जोड़ी देख फैंस हुए दिवाने

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर पुष्पा 2ऱ्द रूल इस साल 2०24 की सबसे बड़ी रिलीज़ में से एक है। मेकर्स ने हाल ही में पुष्पा पुष्पा नामक पहला ट्रैक रिलीज़ किया था। मेकर्स ने अब आखिरकार फिल्म का दूसरा ट्रैक रिलीज़ कर दिया है जिसमें पुष्पा राज और श्रीवल्ली अपने आकर्षक अवतार में नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर सूसेकी का पोस्टर शेयर किया और लिखा, पुष्पा राज और श्रीवल्ली के साथ जुड़ें, क्योंकि वे सुपर आकर्षक ह्यपुष्पा2सेकंडसिंगल ह्यदकपलसॉन्ग पर थिरक रहे हैं। इस गाने को श्रेया घोषाल ने गाया है, जबकि देवी श्री प्रसाद ने संगीत दिया है और बोल चंद्रबोस के हैं।

इस गाने की शुरुआत अल्लू अर्जुन के सेट पर पहुंचने और दूसरे लोगों से मिलने से होती है। थोड़ी देर बाद, गाने की शुरुआत रश्मिका और अल्लू अर्जुन के आइकॉनिक सिग्नेचर स्टेप्स से होती है, क्योंकि गाने में दोनों सितारों के बीच मस्ती भरे पलों को कैद किया गया है। इस गाने में दोनों सितारों के बीच की केमिस्ट्री को खूबसूरती से दिखाया गया है, जो आपको श्रीवल्ली और सामी सामी गाने याद दिलाती है। यह ट्रैक पुष्पा के मेकर्स के लिए एक और हिट होने वाला है, क्योंकि मोस्ट अवेटेड फिल्म की रिलीज नजदीक आ रही है।

पुष्पाऱ्द राइज़ 2०21 में रिलीज़ हुई थी, उस समय जब लोग महामारी के कारण सिनेमाघरों में लौटने से हिचकिचा रहे थे। इस फ़िल्म ने न केवल दर्शकों को रोमांचित किया, बल्कि बॉक्स ऑफ़िस के कई रिकॉर्ड भी तोड़े। सीक्वल को वहीं से शुरू किया जाएगा, जहाँ पहले भाग ने छोड़ा था, जिसमें अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, फ़हाद फ़ासिल, प्रकाश राज, जगपति बाबू, जगदीश प्रताप बंडारी और कई अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

बेहद जरूरी है संकटग्रस्त जैव प्रजातियों का संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

जीव-जंतु तथा पेड़-पौधे भी मनुष्यों की ही भांति ही धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन मनुष्य ने अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर न केवल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है बल्कि वनस्पतियों का भी तेजी से सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि धरती पर अब वन्य जीवों तथा दुर्लभ वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का जीवन चक्र संकट में है। वन्यजीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों भाग्य से ज्यादा कर्म को महत्व देता हो। जो भागना नाही जागना सिखाए। साधनों कि बजाय साधना में मन लगाए। जिससे मिलने से व्यथा व्यवस्था में, कोलाहल मौन में एवासना उपासना में बदल जाए। जो कान नहीं प्राण फूंकने वाला हो। वैसे तो माता-पिता और आचार्य भी गुरु है। पर इनका दायरा सीमित है। थोड़े समय बाद ये तीनों साथ छोड़ देते है। लेकिन दीक्षा गुरु लोक से परलोक तक आपका साथ निभाते है, जन्म जन्मान्तर के क्लेश मिटा देते है। व्यक्ति की जिन्दगी दो भागो में बंट जाती है-गुरु से मिलने से पहले और गुरु से मिलने के बाद के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यही स्थिति वनस्पतियों के मामले में भी है।

वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत् विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषण वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है।

लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्राय-पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रति वर्ष 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। 2० दिसम्बर 2००० को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव पारित करके इसे मनाने की शुरूआत की गई थी। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। दरअसल 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया था, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया।

धरती पर पेड़-पौधों की संख्या बड़ी तेजी से घटने के कारण अनेक जानवरों और पक्षियों से उनके आशियाने छिन रहे हैं, जिससे उनका जीवन संकट में पड़ रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि यदि इस ओर जल्दी ही ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में स्थितियां इतनी खतरनाक हो जाएंगी कि धरती से पेड़-पौधों तथा जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां विलुप्त होकर सदा के इतिहास के पन्नों का हिस्सा बन जाएंगी। माना कि धरती पर मानव की बढ़ती जरूरतों और सुविधाओं की पूर्ति के लिए विकास आवश्यक है लेकिन यह हमें ही तय करना होगा कि विकास के इस दौर में पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए खतरा उत्पन्न न हो। प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक में चेतावनी देते हुए स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि विकास के नाम पर वनों की बड़े पैमाने पर कटाई के साथ-साथ जीव-जंतुओं तथा पक्षियों से उनके आवास छीने जाते रहे और ये प्रजातियां धीरे-धीरे धरती से एक-एक कर लुप्त होती गई तो भविष्य में उससे उत्पन्न होने वाली भयावह समस्याओं और खतरों का सामना हमें ही करना होगा।

दरअसल बढ़ती आबादी तथा जंगलों के तेजी से होते शहरीकरण ने मनुष्य को इतना स्वार्थी बना दिया है कि वह प्रकृति प्रदत्त उन साधनों के स्रोतों को भूल चुका है, जिनके बिना उसका जीवन ही असंभव है। आज अगर खेतों में कीटों को मारकर खाने वाले चिड़िया, मोर, तीतर, बटेर, कौआ, बाज, गिद्ध जैसे किसानों के हितैषी माने जाने वाले पक्षी भी तेजी से लुप्त होने के कगार हैं तो हमें आसानी से समझ लेना चाहिए कि हम भयावह खतरे की ओर आगे बढ़ रहे हैं और हमें अब समय रहते सचेत हो जाना चाहिए।

जैव विविधता की समृद्धि ही धरती को रहने तथा जीवनयापन के योग्य बनाती है, इसलिए लुप्त प्राय-पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र. 110

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.109 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

देश में खेल क्रांति संभव

देश की दो कम उम्र बेटियों ने ऐसा कमाल किया है, जिसे वर्षो भुलाया नहीं जा सकेगा। मात्र 15 साल की प्रीति स्मिता भोई ने विश्व युवा वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 4० किलो वर्ग के क्लीन और जर्क में 76 किलो वजन उठाने का विश्व यूथ रिकॉर्ड बनाने के साथ कुल 133 किलो वजन उठाया।

वहीं 16 साल की काम्या कार्तिकेयन ने नेपाल की तरफ से एवरेस्ट पर सफल अभियान किया है। वह यह उपलब्धि पाने वाली देश की सबसे छोटी पर्वतारोही हैं। इन दोनों युवाओं ने अपने प्रदर्शन से साबित किया है कि कोई बात मन में ठान ली जाए तो उसे पूरा किया जा सकता है।

प्रीति स्मिता ओडिशा के पिछड़े इलाके ढेंकनाल से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने मात्र दो साल की उम्र में ही पिता को खो दिया था। पर मां ने अपनी बेटी को आगे बढ़ाने के लिए हर तरह का बलिदान दिया और उसका केंद्रीय विद्यालय में दाखिला करा दिया।

वहां कोच गोपाल कृष्ण दास की उनके ऊपर निगाह पड़ी तो उन्होंने प्रीति को वेटलिफ्टर बनने की सलाह दी। और आज हमारे सामने विश्व रिकॉर्डधारी खड़ी है। वहीं काम्या एक सपन्न परिवार से ताल्लुक रखती हैं।

उनके पिता एस कार्तिकेयन नौसेना में कमांडर हैं। पिता ने बेटी को इस क्षेत्र में आगे बढने के लिए भरपूर साथ दिया है।

वह इस अभियान में भी काम्या के साथ एवरेस्ट तक गए थे। मुंबई के नौसेना विद्यालय में 12वीं में पढने वाली काम्या ने नेपाल की तरफ से सफल अभियान करके सबसे कम उम्र में अभियान पूरा करने का रिकॉर्ड बनाया। दोनों प्रदर्शन यह जताते हैं कि भारत में विभिन्न खेलों में प्रतिभाओं की तो कमी नहीं है, जरूरत सिर्फ उन्हें आगे लाने की है।

हमारे यहां पहले भी तमाम युवाएं प्रतिभाएं कमाल करती रहीं हैं। पर इस तरह के मामले में अक्सर खिलाड़ी अपनी इच्छा शक्ति के दम पर तमाम मुश्किलों का सामना करके आगे आते रहे हैं। हमने धाविका हिमा दास जैसे तमाम एथलीटों को घर से प्रशिक्षण स्थल तक पहुंचने में तमाम बाधाओं को पार करने की तमाम कहानियां पढ़ी हैं।

अगर देश में दूरस्थ स्थानों तक खेल सुविधाओं का नेटवर्क फैलाया जाए तो देश में खेल क्रांति संभव है। हम यदि ऐसा कर सके तो दो-तीन दर्जन पदक जीतकर देश की प्रतिष्ठा को चार चांद लगते देख सकेंगे। (आरएनएस)

खानपान और गलत जीवन-शैली संबंधी बीमारियां सरकार के लिए बनी चिंता का विषय

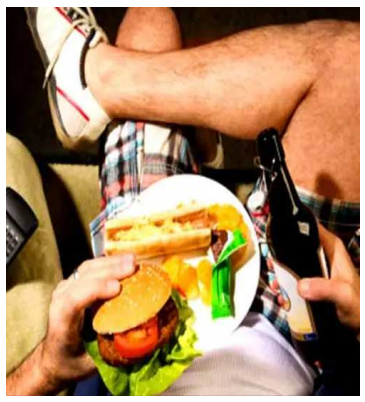

सुषमा गौर

पिछले कुछ दशक में जीवन-शैली संबंधी बीमारियां सरकार के लिए चिंता का विषय बनती गई हैं। स्वास्थ्य और आहार विशेष निरंतर लोगों से अपनी जीवन-शैली में बदलाव लाने, आहार संबंधी सतर्कता बरतने का आह्वान करते रहे हैं, मगर उसका अपेक्षित असर नहीं देखा जाता। खासकर पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह लोगों की खानपान संबंधी आदतें बदली हैं, उससे कई नई तरह की बीमारियां पैदा हो रही हैं।

स्वास्थ्य संबंधी इन नई समस्याओं की गिरफ्त में बच्चों और युवाओं को अधिक देखा जा रहा है। मोटापा और मधुमेह अब युवाओं के बीच आम समस्या की तरह उभरे हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद यानी आइसीएमआर ने अपनी एक रपट में खुलासा किया है कि 56.4 फीसद बीमारियां अस्वास्थ्यकर खानपान की वजह से होती हैं।

आइसीएमआर की तहत काम करने वाली संस्था राष्ट्रीय पोषण संस्थान यानी एनआइएन ने आहार संबंधी विवरण पेश करते हुए सत्रह ऐसे खाद्य पदार्थों की सूची जारी की है, जिनसे परहेज करके बीमारियों से दूर रहा और स्वास्थ्यकर जीवन बिताया जा सकता है। निश्चय ही इससे लोगों में अपने स्वास्थ्य को लेकर कुछ सतर्कता बढ़ेगी।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि खासकर शहरी और कस्बाई जीवन में खानपान की आदतें बहुत तेजी से बदली हैं। जबसे डिब्बाबंद और बने-बनाए भोज्य पदार्थों का बाजार बढ़ा है, तबसे खानेपीने के पारंपरिक नियम-कायदे छिन्न-भिन्न होने लगे हैं। बच्चों और युवाओं की जीभ पर बाजार का स्वाद अपना राज करने लगा है।

इसमें लोग भूल ही गए हैं कि क्या खाना सेहत की दृष्टि से उचित है और क्या अनुचित। खानेपीने का कोई तय समय भी नहीं रह गया है।

इस तरह युवाओं के चयापचय पर बुरा असर पड़ा है, जिसका नतीजा उनमें बढ़ता मोटापा और उनके हृदय पर बढ़ता बोझ है। बहुत सारे कसरत करने वाले युवा, बिना सोचे-समझे प्रोटीन की खुराक लेते हैं, यह उनकी सेहत पर बहुत बुरा असर डाल रहा है।

इसे लेकर आइसीएमआर ने आगाह किया है। यह निश्चय ही चिंता का विषय है कि आधे से अधिक लोगों में बीमारियां केवल गलत खानपान की आदतों की वजह से पैदा हो रही हैं। इसके लिए जनजागरूकता बढ़ाना जरूरी है।

सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त होने पर किसानों ने मोर्चा अध्यक्ष का किया अभिनंदन

संवाददाता

देहरादून। सिंचाई व्यवस्था दुरूस्त होने पर किसानों ने जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी का अभिनंदन किया।

आज यहां ग्राम कुंजा ग्रांट- कुंजा- कुल्हाल- मटक माजरी एवं आसपास के किसानों को सिंचाई समस्या से निजात दिलाने पर जन संघर्ष जन मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी एवं मोर्चा महासचिव आकाश पंवार का वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी मोहम्मद आरिफ एवं क्षेत्र के किसानों ने फूल मालाओं से स्वागत किया। नेगी ने कहा कि सिंचाई (नलकूप) विभाग द्वारा प्रत्येक ट्यूबवेल पर मोटर फुंक जाने की संभावना से एसपीपी (सिंगल फेस प्रीवेंटर) स्थापित की गई थी, जिसमें 360 एवं इससे अधिक वोल्ट आने पर ही ट्यूबवेल्स काम करते थे, जिस पर नलकूप एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों का मौके पर निरीक्षण करवाकर हल निकाला गया। नेगी ने कहा कि लो- वोल्टेज की समस्या हेतु विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा मेदिनीपुर, बुलाकी वाला, तिपरपुर, हसनपुर, जाटोवाला आदि नलकूपों पर वोल्टेज का परीक्षण किया गया। मोर्चा हर वक्त किसानों की समस्या में उनके साथ खड़ा है। ग्रामीणों में -मोहम्मद इदरीश, इमरान उप प्रधान, उस्मान उप प्रधान,नूर आलम, राकिब, नसीम, मुंतजिर, इसरार, सुरेश कुमार, राम प्रकाश, साबिर, रिजवान, फूल सिंह, सत्तर, हुसैन, इरशाद गफ्फार आदि शामिल थे।

महिला सहित टप्पेबाजी गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

हरिद्वार (हसं)। टप्पेबाजी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने एक महिला सहित गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से चार ब्लेड कटर भी बरामद हुए है। जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली नगर पुलिस को सूचना मिली कि एक टप्पेबाजी गिरोह विष्णुघाट पुल के नीचे बैठा है जो किसी बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने विष्णु घाट पुल के नीचे से महिला सहित 4 संदिग्धों को चोरी की योजना बनाने के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके कब्जे से चार ब्लेड कटर भी बरामद किये गये। पूछताछ में उन्होने अपना नाम सुनील पुत्र बिहार निवासी रणपुरा थाना पशु कुमार जिला लखीमपुर खीरी उ.प्र., शादाब पुत्र वकील निवासी कलछीना थाना भोजपुर जिला गाजियाबाद उ.प्र., रविंद्र पुत्र सुभाष निवासी सोहीपुर थाना पलनामपुर मेरठ उ.प्र. व नीरज पत्नी सुरेश निवासी रणपुरा पशुगुमा जिला लखीमपुर खीरी उ.प्र. बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

चारधाम यात्रा की ब्रांडिग की जायेगी... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मार्ग तैयार करने व बद्रीनाथ हाइवे के चौड़ीकरण पर भी विचार किया जा रहा है। उधर हरिद्वार में आफ लाइन रजिस्ट्रेशन पर लगा सीमा प्रतिबंध आज समाप्त कर दिया गया है। अब सभी यात्री बेरोक टोक रजि. करा सकेंगे। यात्रा शुरू होने के साथ ही यहां उमड़ी भीड़ के कारण व्यवस्थाए चरमरा गयी थी। जिसके बाद प्रतिदिन प्रतिधाम के लिए यात्रियों के रजि. की सीमा तय की गयी थी। जो पहले 500 थी जिसे बाद में बढ़ाकर 1500 और फिर 4000 हर दिन हर धाम के लिए कर दिया गया था। लेकिन अब एक माह बीतने के बाद यात्रियों का दबाव कम हो गया है और स्थिति सामान्य हो चली है। इसलिए रजि. सीमा प्रतिबंध को अब समाप्त कर दिया गया है।

पूर्व मुख्य सचिव ने बहू व परिजनों पर... ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

जिससे उसका बेटा तनाव में आकर बीमार पड गया। जिस कारण सगाई निरस्त करने के कागज पर उसके पति द्वारा हस्ताक्षर किये गये। उसने अपने पति व बेटे को किसी तरह दोबारा सगाई के लिए मना लिया। उसको पता नहीं था कि जानिश कश्यप व नेहा कश्यप उन्हें ट्रैप कर रहे हैं और वह उनके जाल में फंसते चले जा रहे हैं। इस तरह 07 जुलाई 2023 को उनके घर में दोबारा सगाई करायी गयी। फिर 04 दिसम्बर 2023 को परमार्थ निकेतन ऋषिकेश में उसके बेटे की सबीना से शादी हो गयी। 23 फरवरी 2024 को जानिश कश्यप व नेहा कश्यप देहरादून के होटल में आये। वह व उसके पति उनसे मिलने गये तो कुछ देर बाद सबीना दो बडे सूटकेश में अपना सारा सामान गहने इत्यादि भरकर होटल में ही आ गयी। सबीना द्वारा वहा आकर पुन: नाटक किया जाने लगा और फिर कुछ समय बाद सबीना अपने भाई-भाभी के साथ वहीं से फिरोजपुर पंजाब चली गयी। कुछ दिन उपरान्त इन लोगों ने उसके पति को धमकी देनी शुरू कर दी कि प्रॉपर्टी सबीना के नाम कर दो, अन्यथा मुकदमे के लिए तैयार रहो। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्व. इन्दरा हृदयेश की पुण्यतिथि को महिला सम्मान दिवस के रूप में मनाया

संवाददाता

देहरादून। स्व. इन्दिरा हृदयेश की तीसरी पुण्यतिथि को महिला सम्मान दिवस के रूप में मनाते हुए उनको श्रद्धाजलि दी।

आज कांग्रेस भवन में कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री स्व. इंदिरा हृदयेश की तीसरी पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इंदिरा हृदयेश की पुण्य तिथि को कार्यकर्ताओं द्वारा महिला सम्मान दिवस के रूप में भी मनाया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इंदिरा हृदयेश के चित्र पर श्रध्दासुमन अर्पित करते हुए राज्य के विकास में उनके योगदान को याद किया। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविन्दर सिंह गोगी ने कहा कि इंदिरा का राजनीति में पदार्पण एक शिक्षक नेत्री के रूप में हुआ। सबसे पहले 1974 में उनका निर्वाचन विधान परिषद में हो गया था और कुल चार बार वे विधान परिषद के लिए निर्वाचित हुईं।

उत्तराखंड राज्य गठन के बाद अंतरिम सरकार के दौरान वे राज्य की प्रथम नेता प्रतिपक्ष रहीं। 2002 में कांग्रेस सरकार बनने पर उन्होंने लोक निर्माण विभाग जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय संभालते हुए नवोदित उत्तराखंड राज्य की अवस्थापनात्मक संरचना की मजबूत नींव रखी। कुल तीन बार वे उत्तराखंड विधान सभा हेतु निर्वाचित हुईं। गोगी ने कहा कि स्व. इंदिरा प्रखर वक्ता तथा संसदीय नियमों और परंपराओं की गहन जानकार थीं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ साथ शिक्षकों के मन में इंदिरा जी के लिए विशेष स्थान है। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ अरुण रतूड़ी, देवेंद्र नौटियाल, ललित भद्री, दिनेश कौशल, सविता थापा, आदर्श सूद, संदीप गोयल, सूरज छेत्री, वीरेंद्र पवार, हुकुम सिंह घड़िया, हरिंदर बेदी बेदी, अनुराधा तिवारी, चुन्नीलाल ढींगरा, राम बाबू आदि उपस्थित थे।

जमीन के नाम पर पांच लाख की ठगी करने पर पति पत्नी पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर पांच लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमन नगर धर्मपुर निवासी राजेन्द्र प्रसाद गैरोला ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको अपनी पुत्री कुमारी साक्षी गैरोला के लिये बन्जारावाला, मोथरोवाला के आस-पास के क्षेत्र मे एक आवासीय सम्पति की आवश्यकता थी जिसके लिये वह व उसकी पुत्री ने अपने सम्बन्धी व आस-पास के लोगो से सम्पर्क किया जिस पर नवराज ठाकुरी पुत्र रतन ठकुरी निवासी ग्राम बन्जारावाला माफी ने उससे व उसकी पूत्री से सम्पर्क किया जिसने अपने आप को भारतीय सेना में होना बताया। उपरोक्त व्यक्ति नवराज ठकुरी ने अपनी ही एक सम्पति मौजा बन्जारावाला माफी देहरादून में होना बताया जिसे वह विक्रय कर प्राप्त धनराशि से अपने बच्चो को बाहर विदेश पढाई व अन्य कार्यों के लिये प्रयोग करना चाहता है।

उपरोक्त व्यक्ति के साथ उसकी पत्नी श्रीमती रीना ठकुरी भी उसको उक्त सम्पति क्रय करने के लिये कहती रही व उपरोक्त सम्पति को पाक-साफ तथा एकमात्र स्वामित्व व किसी अन्य को विक्रय न करना बताया इस प्रकार नवराज ठकुरी ने अपनी पत्नी श्रीमती रीना ठकुरी के साथ मिलकर उसको अपनी बातो में ले लिया।

जनवरी 09.01.2023 को बतौर ब्याना राशि एक लाख रूपये उपरोक्त व्यक्ति ने प्राप्त कर लिये। उसकी पुत्री साक्षी गैरोला व नवराज ठकुरी के मध्य सम्पति के कय-विक्रय के बाबत एक विक्रय अनुबंध पत्र निष्पादित किया गया जिसमे उपरोक्त सम्पति की कुल कय-विक्रय की राशि 35 लाख 50 हजार रूपया तय हुई जिसमे से कुल पांच लाख रूपये अदा किये व प्राप्ति स्वरूप अपने हस्ताक्षर किये व गवाह के रूप मे उपरोक्त व्यक्ति की पत्नी श्रीमती रीना ठकुरी द्वारा हस्ताक्षर किये गयें। 14 जनवरी 2023 को वह अपनी पुत्री व पत्नी को साथ लेकर मौके पर गया जहां उपरोक्त व्यक्ति नही मिला व आस-पास के लोगो ने उसको व उसकी पुत्री को बताया कि नवराज ठकुरी ने पूर्व मे यह सम्पति कई अन्य लोगो को भी बेच रखी है और स्वय किराये के मकान पर निवास करता है जिसके बाद उसने नवराज को फोन किया जिस पर उसने कहा कि उससे गलती हो गयी और दिन के भीतर उसको धनराशि अदा कर देगा किन्तु आज तक पैसे नहीं लौटायें। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एनएच घोटाले की सीबीआई जांच कराने को लेकर क्रांति सेना ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। एनएच-74 घोटाले के मुख्य आरोपी दिनेश प्रताप सिंह की सीबीआई जांच कराये जाने की मांग को लेकर क्रांति सेना ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज उत्तराखंड क्रांति सेना प्रदेश अध्यक्ष ललित श्रीवास्तव द्वारा जिलाधिकारी देहरादून के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार को एनएच - 74 घोटाले के मुख्य आरोपी की सीबीआई जांच एवं पदों से हटाने एवं क्लीन चिट निरस्त किये जाने को लेकर उत्तराखंड क्रांति सेना संगठन द्वारा पूर्व में दिए गए शिकायती पत्रों एवं पूर्व में दिए गए ज्ञापन पर कार्यवाही नही किये जाने को लेकर उत्तराखंड क्रांति सेना संगठन द्वारा पूर्व में शिकायती पत्र एवं ज्ञापन प्रधानमंत्री से लगाकर उत्तराखण्ड सरकार के मुख्यमंत्री एवं उत्तराखण्ड शासन में मुख्य सचिव तक सभी को शिकायती पत्र दिए, परन्तु कई सौ करोड़ के घोटाले के मुख्य आरोपी के खिलाफ अभी तक

कोई भी उपयुक्त जांच हो रही है या होनी है से संगठन एवं उसको कोई भी सूचना के माध्यम से अवगत नहीं कराया गया है। अधिकारीयों से बात करने पर कोई भी ठोस उत्तर नहीं दिया जा रहा है जिससे वह व संगठन असंतुष्ट हैं, इसी संदर्भ में पुन: जिलाधिकारी देहरादून के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार को ज्ञापन देकर वस्तुस्थिति से अवगत कराया। यदि अभी भी उत्तराखण्ड सरकार के अधिकारीयों द्वारा भ्रष्टाचारी के विरुद्ध लंबित जांचों में एवं लंबित मुकदमों में गति नहीं दी गई व शासन द्वारा दी गई क्लीन चिट को निरस्त नहीं किया गया। इस भ्रष्ट अधिकारी को मुख्य पदों से नहीं हटाया गया तो उत्तराखंड क्रांति सेना संगठन देश के विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिलकर उक्त कई सौ करोड़ के घोटाले के प्रकरण को संसद में उठाये जाने की मांग करेग। आन्दोलन करने के लिए भी संगठन बाध्य हो जायेगा।

इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव, अमित पासवान, अंकित द्विवेदी, नीरज, सुभम थापा, कार्तिक, रोशन, अरिहंत, तुषार, जय कुमार आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक नजर

सीआरपीएफ के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की मुख्य सचिव से शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

देहराहदून। सीआरपीएफ के प्रशिक्षु अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट के दौरान मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी ने उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

आज यहां मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी से सचिवालय में शैक्षिक भ्रमण पर उत्तराखंड आए सीआरपीएफ के प्रशिक्षु अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की।

मुख्य सचिव तथा सीआरपीएफ के प्रशिक्षु अधिकारियों के मध्य राज्य में आपदा प्रबंधन, सीमांत गांवो में विकास कार्य और राज्य में संचालित विकास योजनाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने और आतंकवाद विरोधी कार्रवाई में राज्यों की सहायता में सीआरपीएफ की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। देशव्यापी उपस्थिति के साथ, राज्य पुलिस के साथ सहयोग करते हुए, विभिन्न परिस्थितिजन्य मांगों के साथ तेजी से समायोजन करने की इसकी उल्लेखनीय क्षमता ने सीआरपीएफ को व्यापक रूप से स्वीकृत बलों में से एक होने की प्रतिष्ठा प्रदान की है। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने प्रशिक्षु अधिकारियों को उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी दबोचा

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। नाबालिग से दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के आरोप में पुलिस ने मात्र दो घंटे के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से नाबालिग भी बरामद की गयी है। पुलिस ने आरोपी दुष्कर्मी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीते रोज लमगड़ा निवासी एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग पुत्री के दोपहर में घर से बिना बताये कहीं चले जाने व घर वापस नहीं आने के सम्बन्ध में तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर थाना लमगड़ा में गुमशुदगी दर्ज कर नाबालिग की तलाश शुरू कर दी गयी। नाबालिग की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा बीती शाम मात्र दो घंटे के भीतर ही हाथीखान, लमगड़ा से नाबालिग बालिका को आरोपी आनन्द सिंह के कब्जे से छुड़ाकर, आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। अपहर्ता से पूछताछ के बाद पुलिस ने गुमशुदगी की धाराओं को बदलते हुए आरोपी पर दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। जिसके बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

300 करोड़ की प्रॉपर्टी के लिए बहू ने दी ससुर की हत्या की सुपारी

मुंबई। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में पिछले महीने एक हिट एंड रन मामले में 82 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई थी। अब इस मामले में नया एंगल सामने आया है। पूरा मामला 300 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी का है। पुलिस के मुताबिक, बुजुर्ग की हत्या की साजिश उसकी बहू ने ही रची थी। ससुर के मर्डर की आरोपी बहू टाउन प्लानिंग डिपार्टमेंट में असिस्टेंट डायरेक्टर है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी का नाम अर्चना मनीष पुट्टेवार है। उसने अपने ससुर पुरुषोतम पुत्तेवार (82) की हत्या की सुपारी सार्थक बागड़े नाम के ड्राइवर को दी थी। हत्या की सुपारी के लिए ड्राइवर को 1 करोड़ रुपये दिए गए थे। पुलिस ने हत्या में शामिल 3 अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, आरोपी अर्चना ने कथित तौर पर अपने पति के ड्राइवर बागड़े और दो अन्य आरोपियों नीरज निमजे और सचिन धार्मिक के साथ ससुर की हत्या की साजिश रची। पुलिस ने उन पर आईपीसी और मोटर वाहन अधि नियम के तहत हत्या और अन्य धाराओं का आरोप लगाया है। पुलिस ने दो कार, सोने के जेवर और मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

राजकीय चिकित्सालयों में होगा एक ही पर्ची सिस्टम लागू:रावत

संवाददाता

रूद्रप्रयाग। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश में शीघ्र ही सभी राजकीय चिकित्सालयों में एक ही पर्ची सिस्टम लागू की जाएगी।

आज यहां एक दिवसीय जनपद भ्रमण पर पहुंचे प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में जनपद में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं चारधाम यात्रा के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक ली। जनपद में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य मंत्री द्वारा उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं एवं उपलब्ध चिकित्सकों एवं स्टाफ के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि आम जनमानस को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। इस दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को आवासीय व्यवस्था से संबंधित कोई परेशानी न हो इसके लिए सीएमओ एवं सभी चिकित्सकों को आवास उपलब्ध कराए जाने के लिए 10 करोड़ रुपए की धनराशि उपलब्ध कराने के लिए कहा, जिसके लिए उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को इस संबंध में शीघ्र ही प्रस्ताव उपलब्ध कराने को

कहा। समीक्षा बैठक के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि चिकित्सालयों में आने वाले मरीजों को कोई परेशानी एवं असुविधा न हो इसके लिए प्रदेश में शीघ्र ही सभी राजकीय चिकित्सालयों में एक ही पर्ची सिस्टम लागू की जाएगी। जिससे कि मरीजों को अन्य चिकित्सालय में पर्ची नहीं बनानी पड़ेगी। इससे मरीजों को जहां एक ओर सुविधा उपलब्ध होगी वहीं उनके धन की भी बचत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को अनावश्यक अन्य चिकित्सालय के लिए रैफर न करें एवं आपातकालीन स्थिति में ही मरीजों को रैफर किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के लिए धन की कोई कमी नहीं है। इसके लिए यह जरूरी है कि स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के लिए उचित प्रबंधन जरूरी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि चिकित्सालय अगस्त्यमुनि में स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं एनेस्थेटिक विशेषज्ञ की तैनाती करने की मांग की। जिस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अगस्त्यमुनि चिकित्सालय को शीघ्र ही दो चिकित्सकों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है तथा श्री केदारनाथ धाम में 50 बेड का चिकित्सालय शीघ्र ही तैयार होगा जिससे आने वाले श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने केदारनाथ धाम पहुंच रहे श्रद्धालुओं को स्थानीय स्वास्थ्य विभाग द्वारा आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं जिनमें ओपीडी, इमरजेंसी, ऑक्सीजन व स्क्रीनिंग की भी सराहना की। इस अवसर पर विधायक रुद्रप्रयाग भरत सिंह चौधरी, सभासद सुरेंद्र सिंह रावत, मुख्य विकास अधिकारी जीएस खाती, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचसीएस मार्तोलिया, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनोज बडोनी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमल सिंह गुसांई, डॉ. संजय तिवारी, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र सिंह बिष्ट, उप जिलाधिकारी आशीष चंद्र घिल्डियाल, सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मकान का ताला तोडकर जेवरात व विदेशी मुद्रा चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से जेवरात व विदेशी मुद्रा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्दर रोड निवासी आशू सात्विका गोयल ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज वह समय दिन मे अपना घर और गेट लॉक कर के अपने स्कूल नन्ही दुनिया गई थी, शाम को करीब साढे पांच बजे पर उसकी मां जब घर आई तो उन्होने पाया की किसी ने उनके घर के गेट और दरवाजा के ताले तोड दिये है और घर मे घूस कर के घर मे रखी नगदी और सोने/चांदी के जेवर और अन्य आईटम और पापा का मोबाइल फोन था कुछ नोट जो विदेश मुद्रा थी और घर मे लगे सीसीटीवी का डीवीआर भी चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर से जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान के अन्दर से जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्वाल्पा एन्लेव निवासी आरती ममंगाई ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गयी थी। आज जब वह वापस आयी तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से सोने चांदी के जेवरात व नगदी चोरी करके ले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चोरी की बाइक सहित दो दबोचे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुरायी गयी बाइक भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते 11 जून को नईम पुत्र मोहम्मद सलीम निवासी रामपुर रुड़की द्वारा कोतवाली गंगनहर में तहरीर देकर बताया गया था कि किसी अज्ञात चोर द्वारा उनकी बाइक चुरा ली गयी है। मामले में तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गयी। बाइक चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को बीती शाम सूचना मिली कि उक्त बाइक चोरी में शामिल चोर क्षेत्र में देखे गये है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को मतलबपुर तिराहा हनुमान मंदिर के पास बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रोकना चाहा तो वह बाइक मोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। बाइक के कागजात

मांगने पर वह दिखाने में नाकाम रहे। जिस पर उनसे सख्ती से पूछताछ की गयी तो उन्होने कबूल किया कि यह बाइक उनके ही द्वारा चुरायी गयी थी। कोतवाली लाकर पूछने पर उन्होने अपना नाम उवेश पुत्र फुरकान व अतुल उर्फ लालटेन पुत्र विशनलाल निवासी पुरानी तहसील रुड़की कोतवाली गंग नहर हरिद्वार बताया। बहरहाल पुलिस ने उनके खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में गिरफ्तार कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

दुकान से मोबाइल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान में रखा मोबाइल चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिमेन्ट रोड निवासी समीर गुप्ता ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपना मोबाइल दुकान के अन्दर रखा था। लेकिन थोडी देर बाद उसने देखा कि उसका मोबाइल अपने स्थान से गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।